* भूगोल विषय के लिए सर्वप्रथम Geographia शब्द का उपयोग यूनानी विद्वान इरेटोस्थनीज द्वारा किया गया।

↓

(276 – 194 ई.पू) 22 शताब्दी

↓

ग्रीक भाषा (यूनानी भाषा)

↓

Geo (पृथ्वी) + Graphia (अध्ययन / व्याख्या / वर्गीकरण)

Geographia शाब्दिक अर्थ – "पृथ्वी का अध्ययन / पृथ्वी की व्याख्या करना"

* Geography अंग्रेजी भाषा का शब्द है। (NCERT)

[NCERT – National Council of Educational Research and Training

REET – Rajasthan Eligibility Exam for Teachers]

20 June 2019

* स्थलमण्डल व जलमण्डल का वर्गीकरण *

1. 1858 ई. स्नाईडर
2. 1910 ई. F.B टेलर
3. 1912 ई. अल्फ्रेड वेगनर (जलवायुवेत्ता)

→ प्रोफेसर अल्फ्रेड वेगनर के महाद्वीपीय विस्थापन सिद्धान्त (1912 ई) के अनुसार पृथ्वी की उत्पत्ति के पश्चात

स्थलखण्ड कोयला – हीरा में परिवर्तित हो जाता है

के पश्चात पृथ्वी पर एक ही स्थलखण्ड था जो चारों ओर जल से घिरा हुआ था। वैगनर महोदय ने उस स्थलखण्ड को पैंजिया तथा उसके चारों ओर विस्तृत जलीय भाग को पेन्थालासा कहा।

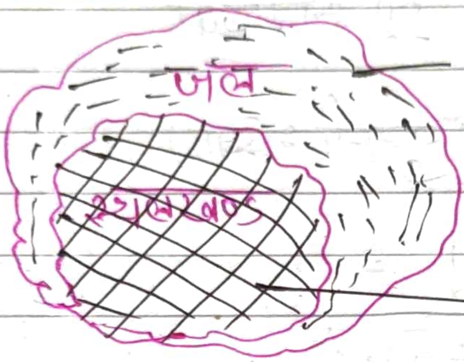

* कार्बोनिफेरस युग के आसपास पैन्जिया विखण्डित होकर 2 भागों में बंट गया। जिसका उत्तरी भाग अंगारालैण्ड, दक्षिणी भाग – गोंडवाना लैंड तथा इन दोनों के मध्य स्थित जलीय भाग टेथीस सागर कहलाया।

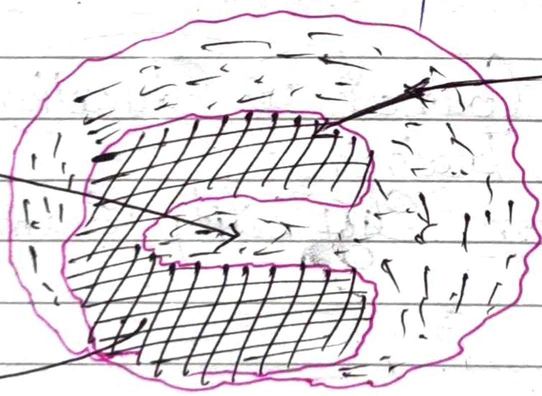

* वैगनर के अनुसार दोनों स्थलखण्ड वर्तमान 7 भागों में विभाजित है। जिसे 7 महाद्वीप कहा जाता है।

[यूरोप + एशिया – यूरेशिया]

[अक्षांश = वृत्त]

स्थिति - निश्चित स्थान
अवस्थिति - आस-पास का क्षेत्र

- * पेन्थालासा का अवशिष्ट भाग — प्रशान्त महासागर
- पेन्जिया का अवशिष्ट भाग — यूरेशिया

* महाद्वीप और महासागरों के संदर्भ में आधुनिक सर्वमान्य सिद्धान्त प्रोफेसर अल्फ्रेड वैगनर (जर्मनी) महाद्वीपीय विस्थापन सिद्धान्त (1912) है।
* यह जलवायुवेत्ता था।

* पृथ्वी की उत्पत्ति के संदर्भ में बिंग बैंग थ्योरी — जार्ज लेमेन्टर (लैमेत्रे) ने दी।

* पृथ्वी —
ग्लोब पर किसी भी स्थान की स्थिति जलवायु कटिबंध व समय की गणना करने के लिए दो प्रकार की रेखाओं का जाल बनाया जाता है, जिस जाल को भू-ग्रिड तथा रेखाओं को अक्षांश व देशान्तर कहा जाता है।

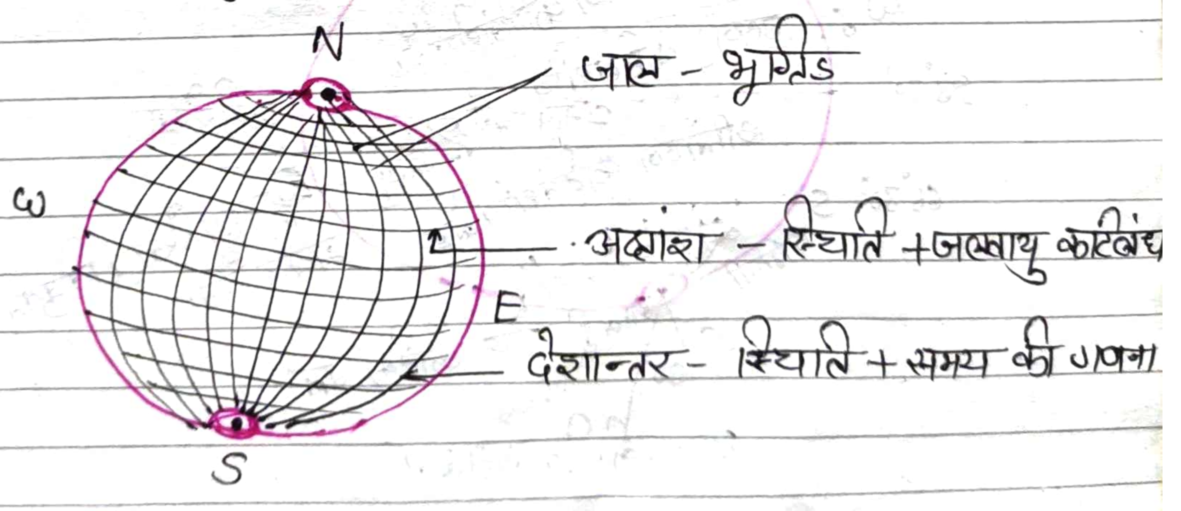

देशान्तर – 360°
अक्षांश – 180°
ग्लोब पर भेदांश – 181
अक्षांश वृत्त – 179

1. अक्षांश →

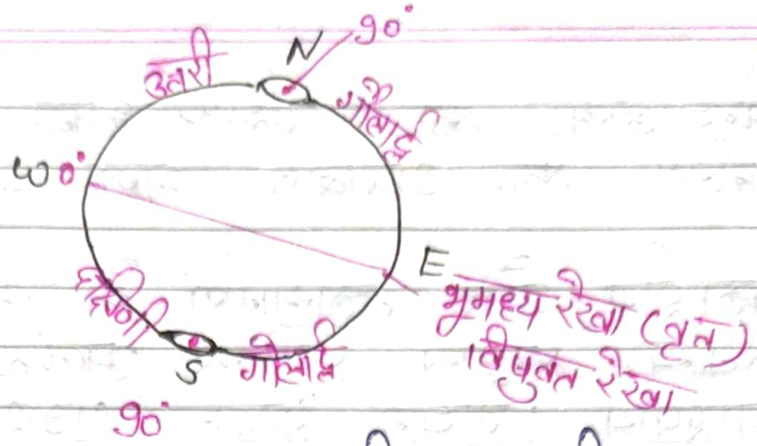

1 घूर्णन गति
- ध्रुवीय गति
- अक्षीय गति
- परिभ्रमण गति
- दैनिक गति

परिवर्तन – दिन व रात का बनना

23, 56, 4 = 24 घण्टे

2. परिक्रमण गति
- कक्षीय गति
- वार्षिक गति (मुख्य कारण – पृथ्वी का झुकाव)
- परिवर्तन – ऋतु परिवर्तन
दिन व रात की अवधि में परिवर्तन

$365\frac{1}{4}$ दिन = 366 दिन (लीप वर्ष)

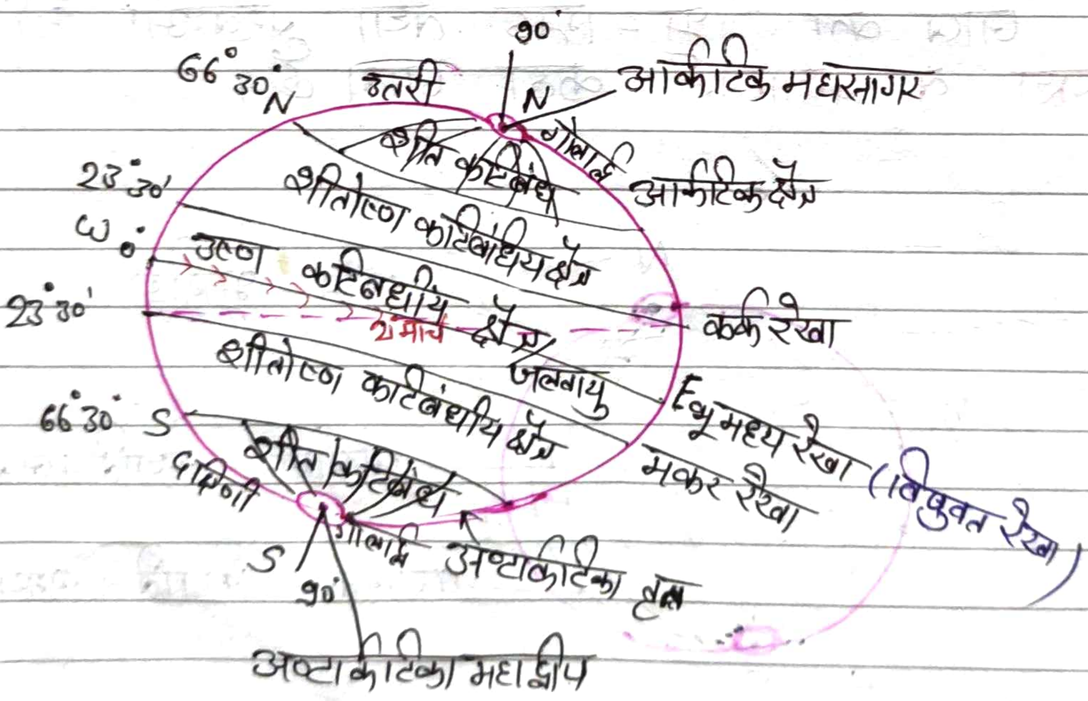

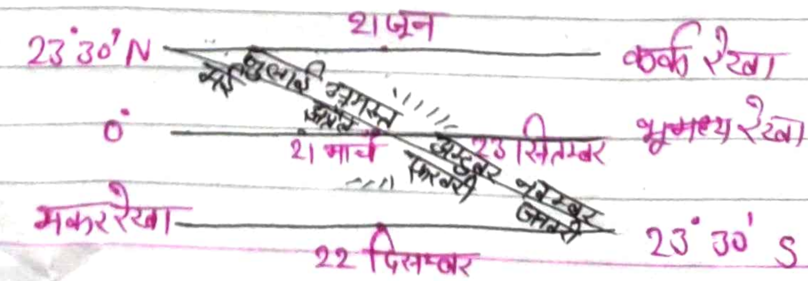

* 0° अक्षांश अर्थात भूमध्य रेखा, विषुवत रेखा ग्लोब को उत्तरी व दक्षिणी गोलार्द्धों में विभाजित करती है।

* ग्लोब पर सबसे बड़ा वृत्त 0° अक्षांश वृत्त है। 0° अक्षांश वृत्त से ध्रुवों की ओर जाने पर अंक्षाश वृत्तों का आकार धीरे-धीरे घटता जाता है।

* दो अंक्षाशों के मध्य की दूरी स्थिर होती है। १११.13 Kmm (111 Km)

* पृथ्वी अपने अक्ष पर $23\frac{1}{2}°$ झुकी हुई है। इस झुकाव के कारण $66\frac{1}{2}°$ का कोण बनता है।

* पृथ्वी दो प्रकार की गति करती है १. घुर्णन गति — (पश्चिम से पूर्व की ओर करती है)
  2. परिक्रमण गति —
  पृथ्वी का परिक्रमण पथ दीर्घवृत्ताकार है।

* पृथ्वी पर ऋतु परिवर्तन व दिन व रात की अवधि में परिवर्तन का मुख्य कारण पृथ्वी का अपने अक्ष पर झुकाव है।

2. देशान्तर →

वायव्य कोण NW | N | ईशान NE कोण | ग्लोब के E राजस्थान | W | नैऋत्य SW | S | SE आग्नेय

90° — 180° देशान्तर, 0° देशान्तर

कोटा और चित्तौड़ किसी भी राज्य से सीमा नहीं बनाते (भारत की अंतर्राज्यीय सीमा)

0° के विपरीत – 180° देशान्तर (IDL)

* स्थिती और विस्तार *

* राजस्थान का अंक्षाशीय व देशान्तरीय विस्तार →

अक्षांश → 23°03'N – 30°12'N → 7°09'N अंतर

देशान्तर → 69°30'E – 78°17'E → 8°47'E अंतर

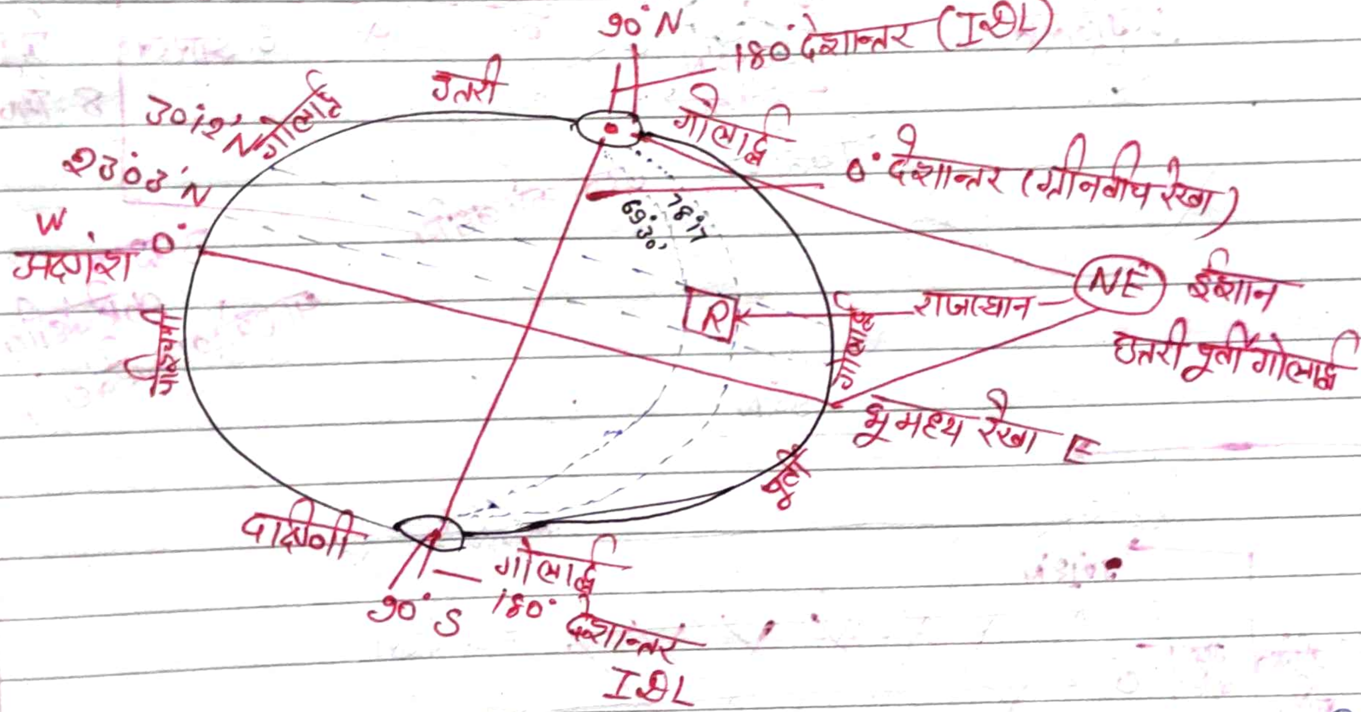

* राजस्थान राज्य ग्लोब के उत्तरी-पूर्वी भाग (ईशान) जबकि भारत के उत्तरी-पश्चिमी (वायव्य) भाग में स्थित है।

* 23°30' उत्तरी अक्षांश रेखा (कर्क रेखा) राज्य के दक्षिणी भाग से होते हुये भारत के लगभग 8 राज्यों से होकर गुजरती है।

डिग्री मिनट सेकण्ड

1° – 60' – सूर्य को 4' मिनट समय

1' – 60"

8° × 4 = 32' = 32' + 3' 8" = 35' 8"

47' × 4 = 188"

"3' 8"

36'

27° भाग कर्क रेखा से नीचे

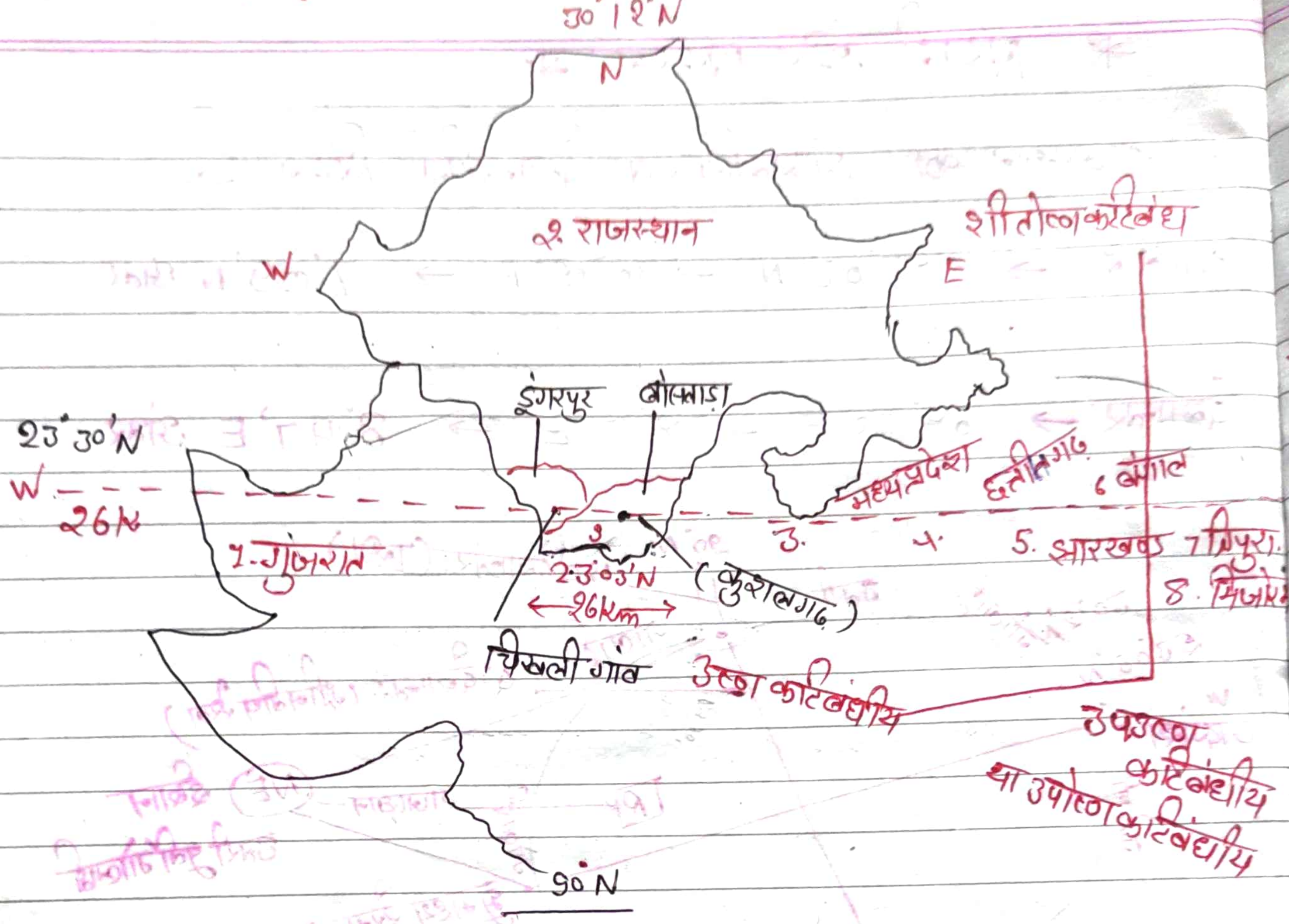

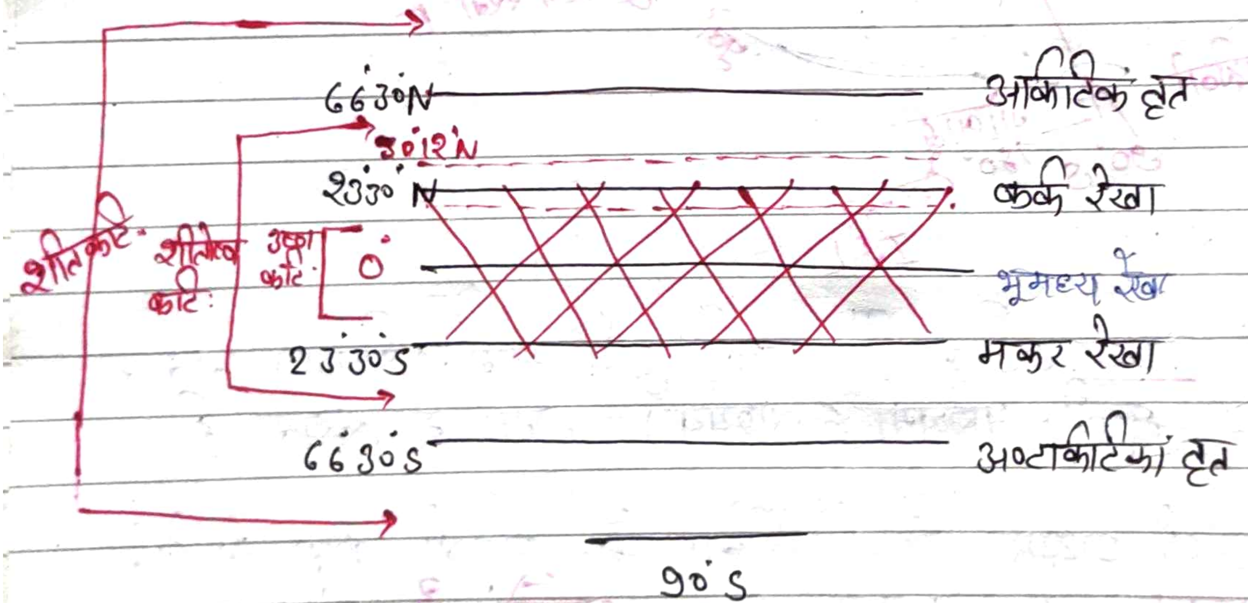

★ राज्य का दक्षिणतम भाग (27° अक्षांश) – उष्ण कटिबंध अतः अधिकांश भाग शीतोष्ण कटिबंध तथा राजस्थान उपोष्ण कटिबंधीय जलवायु में स्थित है।

* राजस्थान राज्य 8° 47' देशान्तरो के मध्य विस्तृत है। 1° देशान्तर को पार करने में प्रकाश की किरणों को 4 मिनट का समय लगता है। अतः 8° 47' देशान्तरो को पार करने में 35' 8" का समय लगेगा।

* राज्य में पूर्व से पश्चिम में सूर्योदय व सूर्यास्त होने में लगभग 36' का अंतर मिलता है।

* राज्य के महत्वपूर्ण अक्षांश व देशान्तर →

1. अक्षांश →

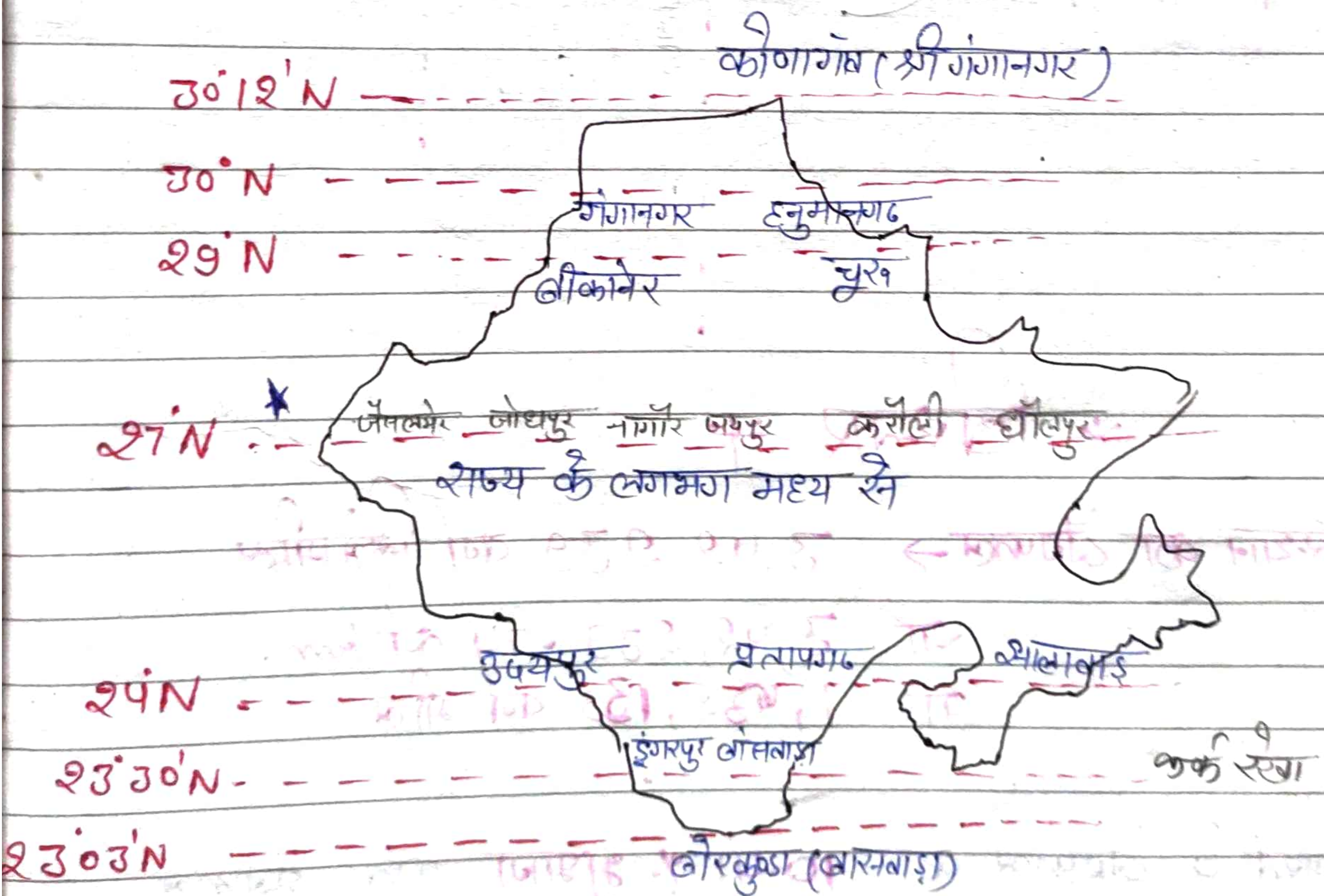

2. देशान्तर →

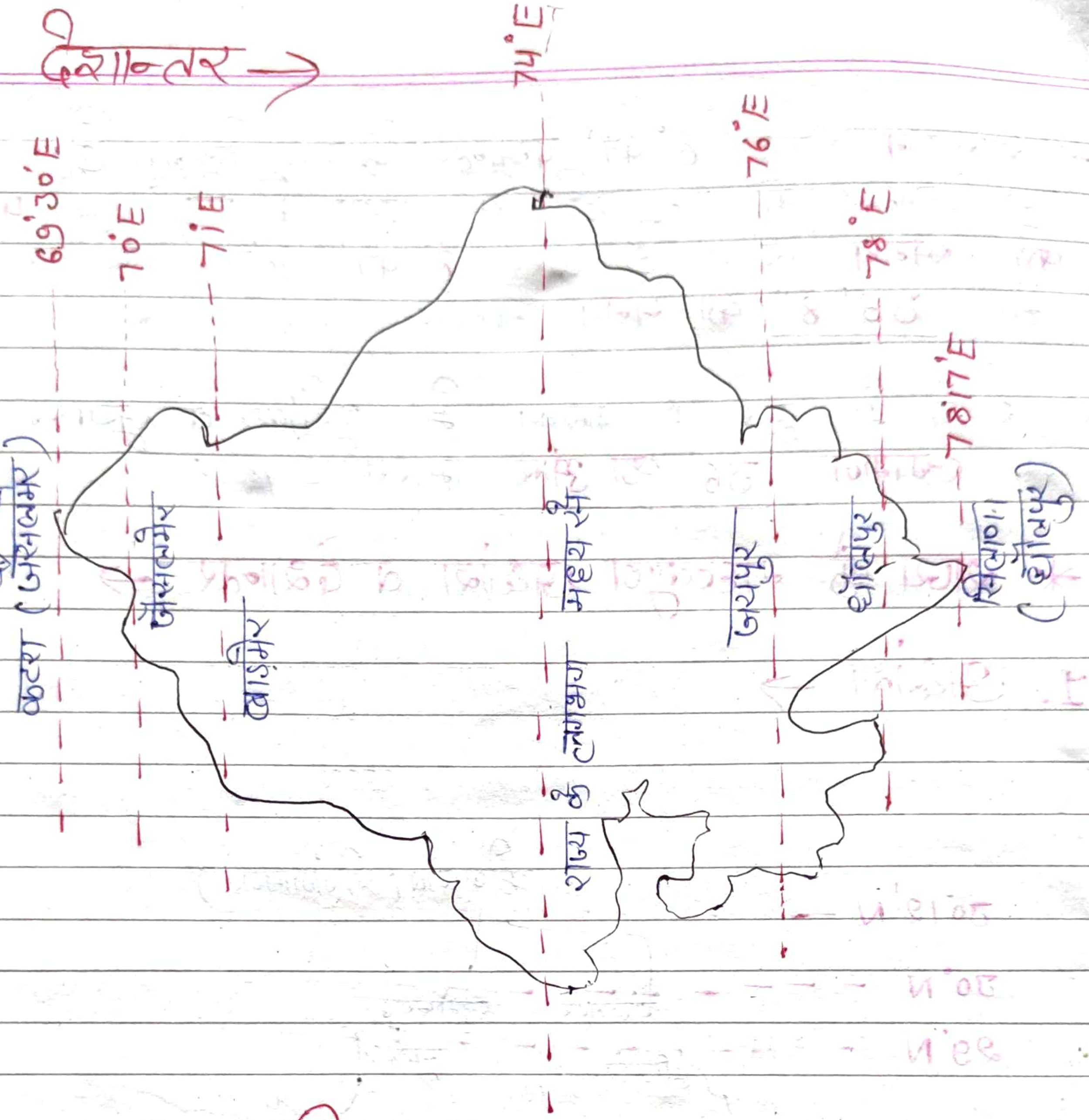

* विस्तार *

राजस्थान का क्षेत्रफल → 3,42,239 वर्ग किलोमीटर
या 3,42,239.74 वर्ग km.
या 1,32,139 वर्ग मील

* भारत के क्षेत्रफल का 10.41 % भूभाग अत: क्षेत्रफल के आधार पर राजस्थान सबसे बड़ा राज्य है।

Note → 1 Nov. 2000 से पहले भारत का सबसे बड़ा राज्य मध्यप्रदेश था।

मध्यप्रदेश से अलग होकर छत्तीसगढ़ नया राज्य बनने के पश्चात भारत का सबसे बड़ा राज्य राजस्थान (26 वाँ) बना।
छत्तीसगढ़

	26 वाँ	27 वाँ	28 वाँ	29 वाँ
राज्य	छत्तीसगढ़ ~~झारखण्ड~~	उत्तराखण्ड	झारखण्ड	तेलंगाना
अलग	मध्यप्रदेश	उत्तरप्रदेश	बिहार	आंध्रप्रदेश
दिनांक	1 नवम्बर 2000.	9 नवम्बर 2000	15 नवम्बर 2000	2 जून 2014.

जिला — श्री गंगानगर
तहसील — गंगानगर
गाँव — कोणा

Date
11/11/2019

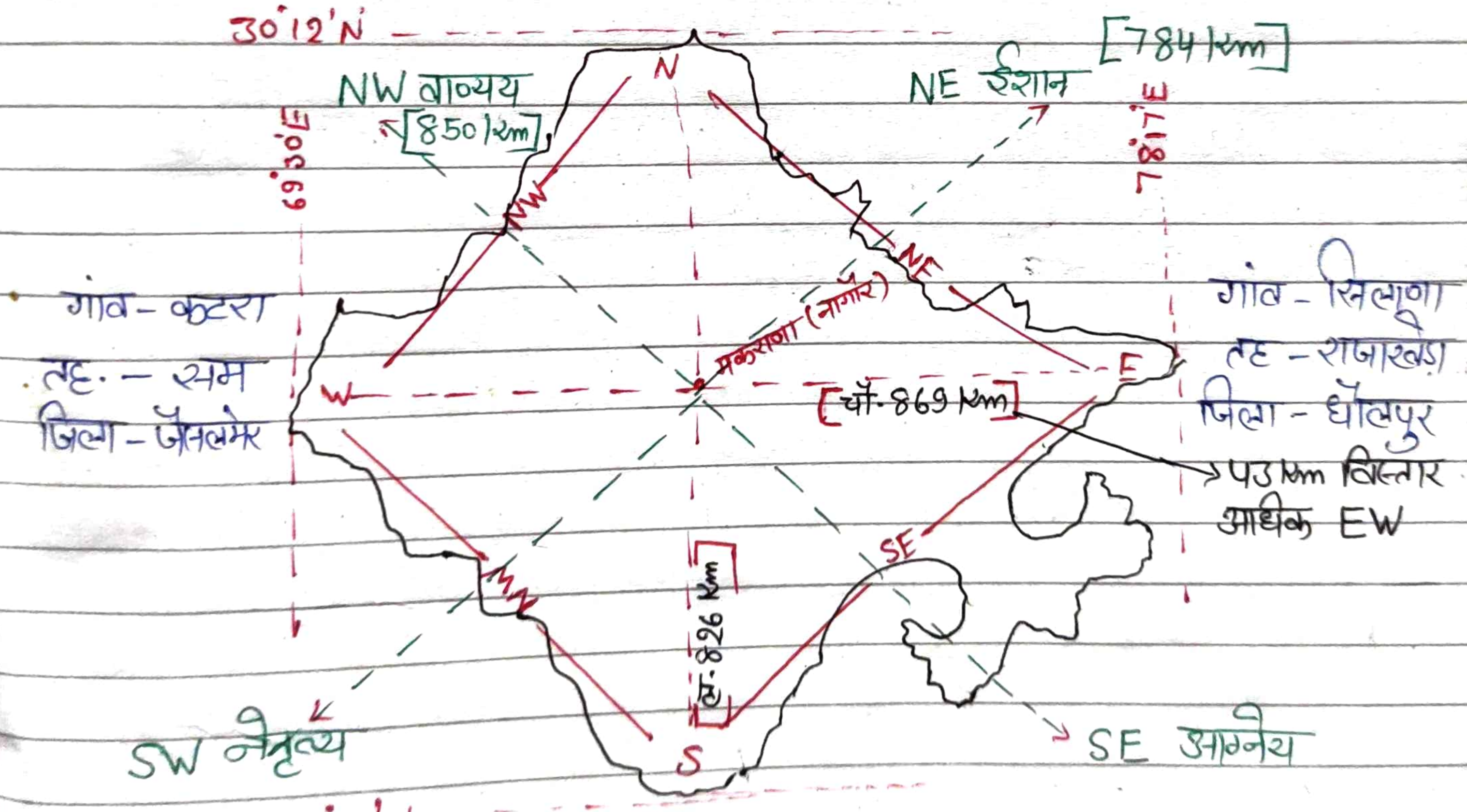

गाँव - बोरकुण्डा
तहसील - सज्जनगढ़ (कुशलगढ़)
जिला - बाँसवाड़ा

* राज्य की कुल स्थलीय सीमा → 5920 Km.

राज्य की स्थलीय सीमा के साथ 1 देश व 5 राज्य सीमा का निर्धारण करते है।

* कुल स्थलीय सीमा – 5920 km.

* राज्य की स्थलीय सीमा के साथ 1 देश व 5 राज्य सीमा का निर्धारण करते हैं।

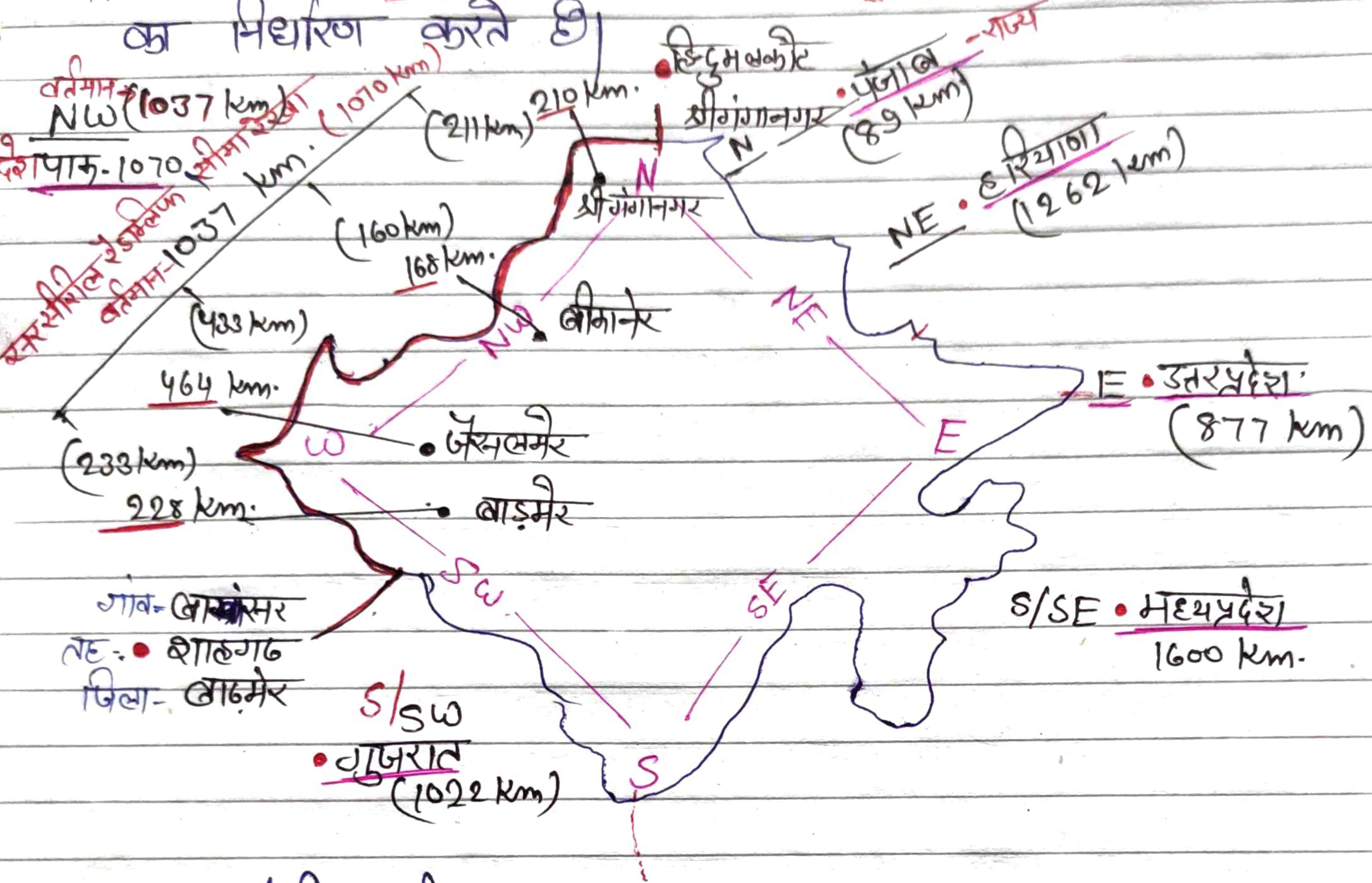

* अन्तर्राष्ट्रीय सीमा → 1070 km (1037 km)
(रेडक्लिफ रेखा)

अन्तर्राज्यीय सीमा- 4850 km / 4883

* अन्तर्राष्ट्रीय सीमा पर स्थित जिलों का, सीमा के आधार पर अवरोही क्रम ....→ 1. जैसलमेर (464 km) ④
(घटता)
2. बाड़मेर (228 km) ③
3. श्री गंगानगर (210 km) ②
4. बीकानेर – 168 km, आरोही क्रम ①

* क्षेत्रफल के आधार पर अवरोही क्रम – 1. जैसलमेर (38401 km²)
2. बाड़मेर – 28387 km²
3. बीकानेर – 27244 km²
4. श्री गंगानगर – 10,998 km²
पहले (10,978 km²)

अन्तर्राष्ट्रीय जिलों में सर्वाधिक दूर - बीकानेर
अन्तर्राष्ट्रीय सीमा से सर्वाधिक दूर - Option के आधार पर

* अन्तर्राज्यीय सीमा पर जिलों की संख्या -> 23
* केवल अन्तर्राज्यीय सीमा वाले जिले -> 21

* अन्तर्राष्ट्रीय सीमा के निकटतम जिला मुख्यालय – श्री गंगानगर

* अन्तर्राष्ट्रीय सीमा से सर्वाधिक दूर स्थित जिला मुख्यालय — (बीकानेर) (अन्तर्राष्ट्रीय जिलों में सर्वाधिक दूर), धौलपुर / Option के आधार पर
- A - जोधपुर
- B - बीकानेर
- ✓C - टोंक
- D - बाड़मेर

* अन्तर्राज्यीय सीमा — 4850 Km. / 4885 km वर्तमान

* अन्तर्राज्यीय सीमा पर स्थित पड़ोसी राज्यों का सीमा के आधार पर अवरोही क्रम —
1. मध्यप्रदेश (1600 Km)
2. हरियाणा (1262 Km)
3. गुजरात (1022 Km)
4. उत्तरप्रदेश (877 Km)
5. पंजाब (89 Km)

* क्षेत्रफल के आधार पर अवरोही क्रम —

1. ~~उत्तर~~ मध्यप्रदेश — 3,08,252 Km^2
2. उत्तरप्रदेश — 2,43,286 Km^2
3. गुजरात — 1,96,024 Km^2
4. पंजाब — 50,362 Km^2
5. हरियाणा — 44,212 Km^2 (गठन – 1 नवम्बर 1966)

* अन्तर्राष्ट्रीय जिलों का अन्तर्राष्ट्रीय सीमा पर उत्तर से पश्चिम की ओर सही क्रम ->
1. श्री गंगानगर
2. बीकानेर
3. जैसलमेर
4. बाड़मेर

* संभाग व जिलो का वर्गीकरण *

			संभाग / जिले	
1 नवम्बर	1956	=	5/26	— मोहन लाल सुखाड़िया
	1962	=	—"—	— मोहन लाल सुखाड़िया
	1982	=	5/27	— शिव चरण माथुर
15 जनवरी 1987	1987	=	6/27	— हरिदेव जोशी
	1991	=	6/30	— शेखावत
	1994	=	6/31	— शेखावत
	1997	=	6/32	— शेखावत
4 जून 2005	2005	=	7/32	— वसुंधरा राजे
26 जनवरी	2008	=	7/33	— वसुंधरा राजे

(5 वॉ संभाग व 26 जिले)

* एकीकरण समापन के समय राज्य का 26 वां जिला — अजमेर को बनाया गया।

* सन 1962 में मुख्यमंत्री मोहनलाल सुखाड़िया जी द्वारा संभागीय व्यवस्था समाप्त कर दी गई।

* सन 1987 में मुख्यमंत्री हरिदेव जोशी द्वारा संभागीय व्यवस्था प्रारंभ की गई।
संभागीय व्यवस्था प्रारम्भ कर राज्य का 6 वां संभाग (15 जनवरी 1987) अजमेर को बनाया गया। (6/27)

* 4 जून 2005 मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे राज्य का 7वॉ संभाग भरतपुर घोषित किया गया।

अलग	क्रम	जिला	दिनांक
×	26 वॉ	अजमेर	1 नवम्बर 1956
भरतपुर	27 वॉ	धौलपुर	15 अप्रैल 1982
कोटा	28 वॉ	बांरा	10 अप्रैल 1991
जयपुर	29 वॉ	दौसा	10 अप्रैल 1991
उदयपुर	30 वॉ	राजसमंद	10 अप्रैल 1991

श्रीगंगानगर व बाड़मेर - अन्तर्राष्ट्रीय व अन्तर्राज्यीय दोनों बनाते है।

श्री गंगानगर - 31 वाँ हनुमानगढ़ - 12 जुलाई 1994
सवाई माधोपुर - 32 वाँ करौली - 19 जुलाई 1997
33 वाँ प्रतापगढ़ - 26 जनवरी 2008 *

[परमेशचन्द्र कमेटी की सिफारिश
जिले के रूप में कार्य → 1 April 2008]

चित्तौड़ — तह-प्रतापगढ़, तह-अरनोद, उप- छोटी सादड़ी
उदयपुर — तह- धरियावाद
बांसवाड़ा — तह- पीपलखूंट

25/6/2019

* राज्य के सीमावर्ती जिलों की संख्या → 25

आंतरिक जिले - 8

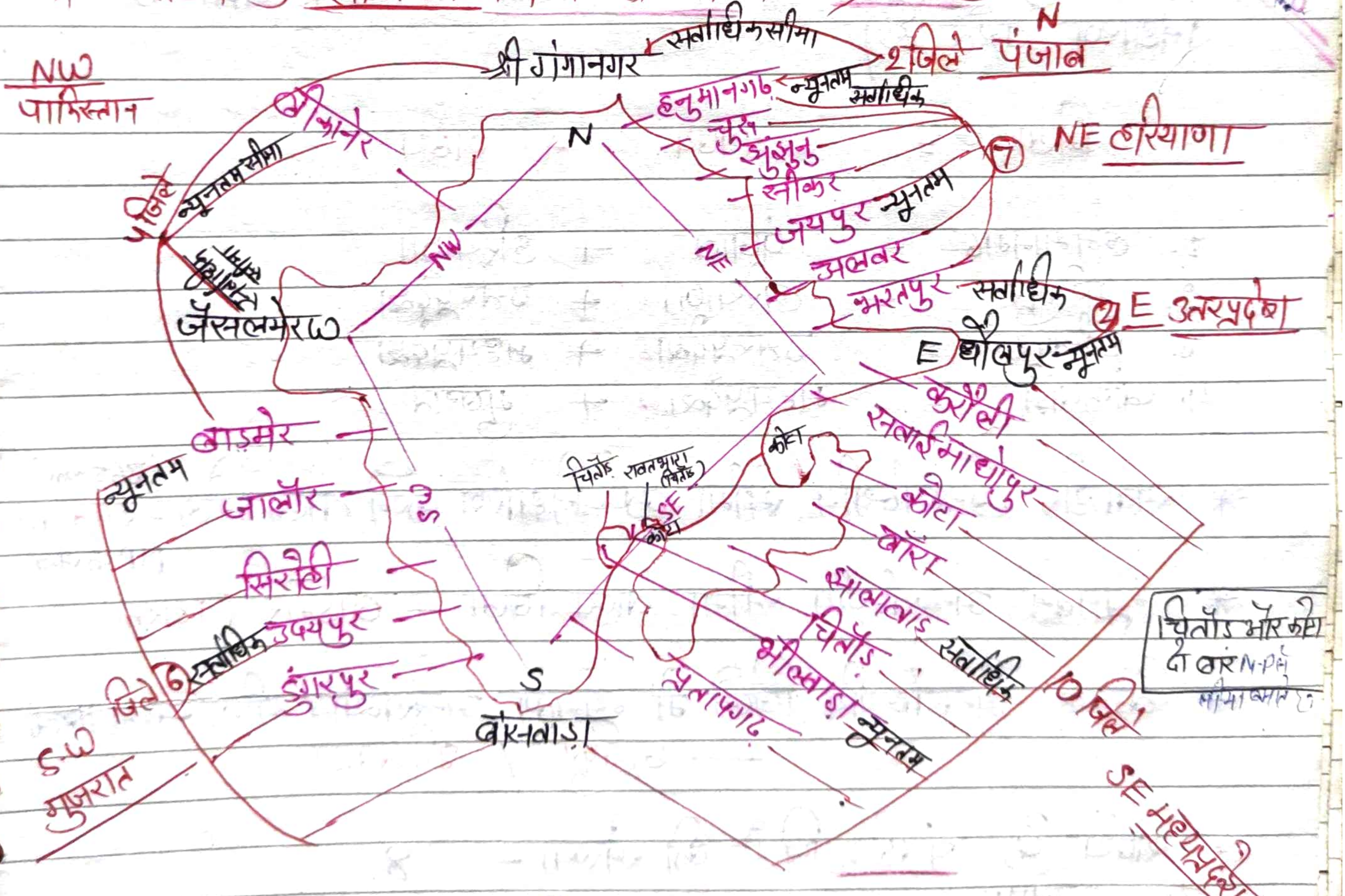

(1070 km)
* अन्तर्राष्ट्रीय सीमा पर जिलो की संख्या - 4
* केवल अन्तर्राष्ट्रीय सीमा बनाने वाले जिले - 2 (जैसलमेर, बीकानेर)
अन्तर्राष्ट्रीय सीमा - 1070 वर्तमान 1037

सीमावर्ती जिला + आंतरिक जिला
25 + 8 = 33 जिला

(पाकिस्तान) बहावलनगर जिला - पंजाब प्रांत का — श्रीगंगानगर जि - राजस्थान म — फाजिल्का जि - ~~राजस्थान के~~ पंजाब का

* अन्तर्राज्यीय सीमा पर जिलो की संख्या — 23 जिले
* केवल अन्तर्राज्यीय सीमा का निर्धारण करने वाले जिले - 21

* राज्य के दो जिले जो अन्तर्राष्ट्रीय व अन्तर्राज्यीय दोनों ही प्रकार की सीमा का निर्धारण करते है।

जिला = अन्तर्राष्ट्रीय + अन्तर्राज्यीय

1. गंगानगर = देश-पाकिस्तान (बहावलनगर जिला) + पंजाब राज्य (फाजिल्का जिला)
   राज्य → पंजाब प्रांत
2. बाड़मेर = पाकिस्तान (थारपारकर जिला) + गुजरात राज्य (कच्छ जिला)
   राज्य - सिन्ध प्रांत
   - खेरपुर
   - सुधर

* राज्य के 4 जिले जो दो-दो राज्यो के साथ सीमा का निर्धारण करते है।

जिला = राज्य + राज्य

1. हनुमानगढ = पंजाब + हरियाणा
2. भरतपुर = हरियाणा + उत्तरप्रदेश
3. धौलपुर = उत्तरप्रदेश + मध्यप्रदेश
4. बांसवाड़ा = मध्यप्रदेश + गुजरात

* सर्वाधिक अन्तर्राज्यीय सीमा का निर्धारण करने वाला जिला - झालावाड (368 km) MP के साथ

* न्यूनतम अन्तर्राज्यीय सीमा वाला जिला — बाड़मेर (181 km)

* केवल अन्तर्राज्यीय जिलो में न्यूनतम अन्तर्राज्यीय सीमा वाला जिला — जयपुर / भीलवाड़ा

* राज्य के आंतरिक जिलो की संख्या — 8
अन्य उपनाम —
अन्तर्वृती, अन्तर्निष्ठ, स्थलबद्ध, भूमि अवरूद्ध लेण्डलोक्ड।

* राजस्थान के कितने जिले जो किसी भी राज्य के साथ दो बार सीमा बनाते है → कोटा - चित्तौड़

* राजस्थान के दो जिले जो मध्यप्रदेश के दो बार सीमा का निर्धारण करते है। →

Trick → अजरा दौना जो बूटा पाला

अजमेर, राजसमंद, दौसा, नागौर, जोधपुर, बूंदी, टोंक, पाली

PANDT RJ 08

पाली अजमेर नागौर दौसा टोंक राजसमंद जोधपुर बूंदी

* राज्य का पाली जिला सर्वाधिक जिलो के साथ सीमा का निर्धारण करता है — 8

Trick → A पाली उसे बाजार में ना जा।

अजमेर उदयपुर सिरोही बाड़मेर जालौर राजसमंद नागौर जोधपुर।

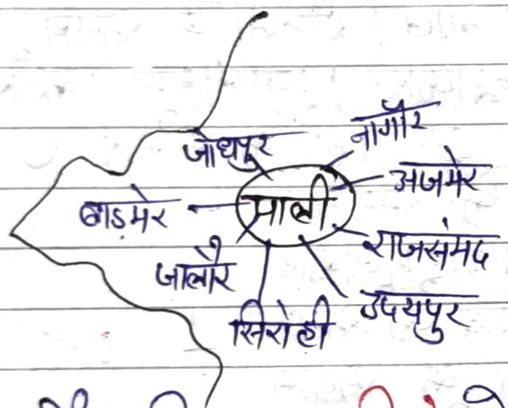

Trick — अजी करलाने जाऊ।

अजमेर, जोधपुर, बाड़मेर, सिरोही, राजसमंद, सिरोही, नागौर, जालौर, उदयपुर

* नागौर जिला 7 जिलो के साथ जबकि अजमेर जिला 6 जिलो के साथ सीमा का निर्धारण करता है।

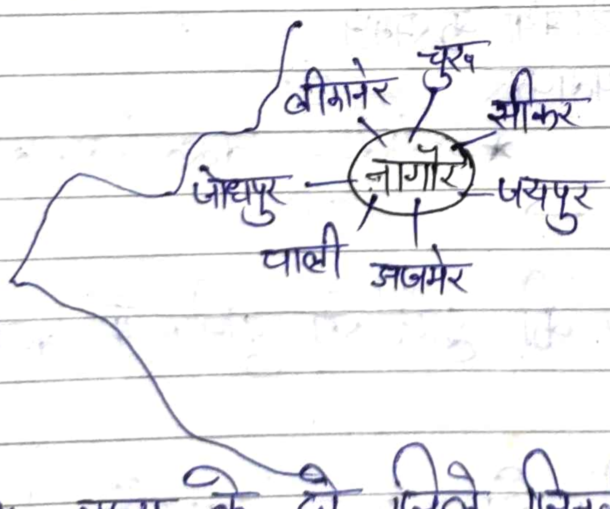

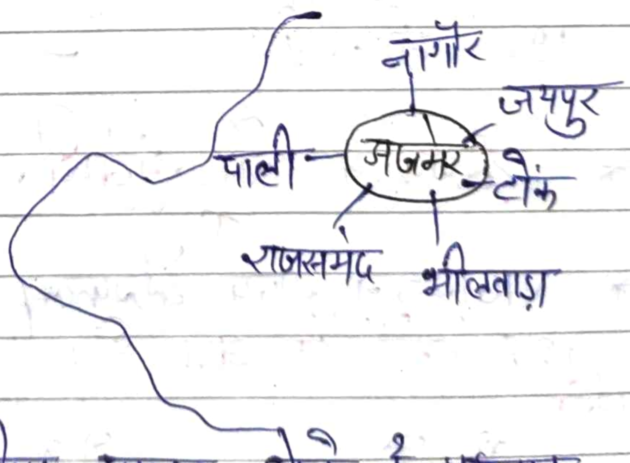

* राज्य के दो जिले जिनकी सीमा समाप्त होने के पश्चात दूसरे स्थान से वापस प्रारम्भ होती है अतः इन्हे

★ "विच्छिन्नाकार" जिले भी कहा जाता है।

1. अजमेर = (टॉडगढ़) 2. चित्तौड़ — (रावतभाटा)

* आकार से संबंधित तथ्य →

* राजस्थान राज्य की आकृति – विषमकोणीय चतुर्भुजाकार। पतंगाकार है।

* राज्य की आकृति के संबंध में विचार प्रस्तुत करने वाला विद्वान T.H. हेंडले था।

जिला		आकार
1. टोंक	–	राज्य के समान (विषमकोणीय चतुर्भुजाकार)
2. अजमेर	–	त्रिभुजाकार
3. चित्तौड़गढ़	–	घोड़े की नाल। ईल्ली के समान
4. सीकर	–	अर्द्धचन्द्राकार। प्याली नुमा। कटोरीनुमा उड़ते हुए पक्षी के समान
5. जोधपुर	–	मयूर के समान
6. जैसलमेर	–	सप्त भुजाकार
7. पाली	–	लम्ब के समान
8. राजसमंद	–	तिलक के समान
9. भरतपुर	–	गिलहरी के समान
10. दौसा	–	धनुषाकार
11. उदयपुर	–	ऑस्ट्रेलिया के समान
12. भीलवाड़ा	–	आयताकार

★ करौली – बत्तख के समान

* क्षेत्रफल से संबंधित तथ्य →

* राजस्थान राज्य क्षेत्रफल। आकार की दृष्टि से दुनिया के लगभग 128 देशों से बड़ा है।

जैसे –
इंग्लैंड से 2 गुना, चेकोस्लोवाकिया से 3 गुना, नेपाल से $2\frac{1}{2}$ गुना, श्रीलंका से 5 गुना, भूटान से 7 गुना, इजराइल से 17 गुना बड़ा है।

* जबकि जापान व जर्मनी के लगभग बराबर है।

* भारत के सबसे छोटा राज्य गोवा से राजस्थान के 2 जिले छोटे व 3 जिले बड़े है।
→ धौलपुर, दौसा

* क्षेत्रफल की दृष्टि से राज्य के सबसे बड़े जिले →

1. जैसलमेर — 38401 km^2 (11.22%)
2. बाड़मेर — 28387 km^2
3. बीकानेर — 27244 km^2
4. जोधपुर — 22850 km^2
5. नागौर — 17718 km^2

* न्यूनतम क्षेत्रफल वाले जिले →

1. धौलपुर — 3034 km^2 (0.88%)
2. दौसा — 3432 km^2
3. डूंगरपुर — 3770 km^2
4. राजसमंद — 3860 km^2
5. प्रतापगढ़ — 4417 km^2

* राज्य का सबसे बड़ा जिला जैसलमेर धौलपुर जिले से 12.66 गुना बड़ा है।
* राज्य का सबसे बड़ा जिला जैसलमेर क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत के 7 राज्यो से बड़ा है —
गोवा, सिक्किम, नागालैण्ड, ~~अरुणाचल प्रदेश~~, ~~[illegible]~~ मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, मेघालय।

* राज्य का पड़ौसी देश पाकिस्तान तथा पड़ौसी राज्यों के जिलो का वर्गीकरण →

NW पाकिस्तान

राज्य	जिला
1. पंजाब प्रांत	1. बहावल नगर (सर्वाधिक सीमा) 2. बहावलपुर 3. रहिमयार खान
2. सिन्ध प्रान्त	4. घोटकी 5. सुक्कुर 6. खैरपुर, संघर (न्यूनतम) 8. उमरकोट 9. थारपारकर

N पंजाब — 1. फाजिल्का 2. मुक्तसर

NE हरियाणा — 1. सिरसा 2. हिस्सार 3. महेन्द्रगढ़ 4. भीवानी 5. फतिहाबाद 6. रेवाड़ी 7. मेवात

E उत्तर प्रदेश — 1. आगरा 2. मथुरा

SE मध्यप्रदेश — 1. मुरैना 2. श्योपुर 3. शिवपुरी 4. गुना 5. राजगढ़ 6. आगर मालवा 7. नीमच 8. मंदसौर 9. रतलाम 10. झाबुआ

SW गुजरात

1. कच्छ 2. बनासकांठा 3. साबरकांठा 4. महिसागर 5. अरावली 6. दाहोद

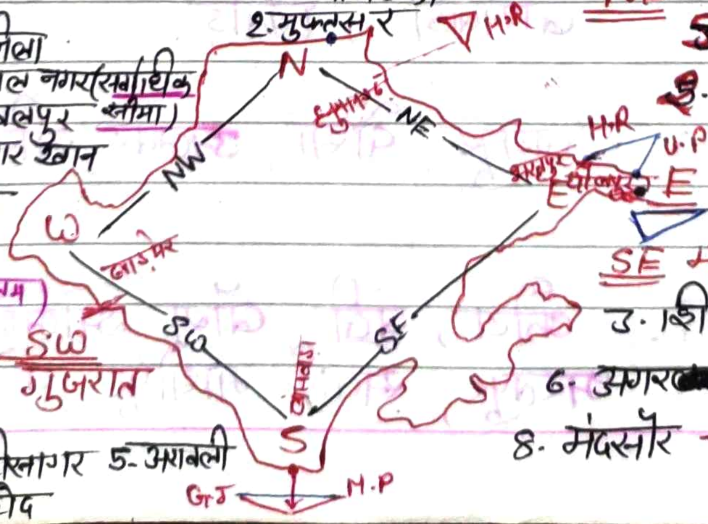

* संभाग :→ क्षेत्रफल के आधार पर राज्य के संभागों का अवरोही क्रम :→

Trick → जोबी अउ जय को भर।

जोधपुर (बड़ा) बीकानेर अजमेर उदयपुर जयपुर कोटा भरतपुर।

अवरोही क्रम →

← आरोही क्रम

* जनसंख्या के आधार पर राज्यों के संभागों का अवरोही क्रम→

Trick → ज जो उदय अबी भरत को।

जयपुर (बड़ा) जोधपुर उदयपुर अजमेर बीकानेर भरतपुर कोटा (छोटा)

अवरोही क्रम →

← आरोही क्रम

1. जोधपुर (7) - जोधपुर, पाली, जालौर, सिरोही, जैसलमेर, बाड़मेर
(ज- 1,18,63,484)

2. बीकानेर (4) - बीकानेर, चूरू, श्री गंगानगर, हनुमानगढ़
(ज.- 81,47,345)

3. अजमेर (4) - अजमेर, भीलवाड़ा, नागौर, टोंक
(ज- 97,20,644)

4. उदयपुर (6) - उदयपुर, राजसमंद, डूंगरपुर, प्रतापगढ़, बाँसवाड़ा, चित्तौड़
(ज- 7823,240)

5. जयपुर (5) - जयपुर, दौसा, अलवर, सीकर, झुंझुनू
(ज- 1,67,49,144)

6. कोटा (4) - कोटा, बूंदी, बाँरा, झालावाड़ (ज- 56,95,804)

7. भरतपुर (4) - भरतपुर, सवाई माधोपुर, करौली, धौलपुर
ज- (68,45,777)

33

* राजस्थान का नामकरण →

- रामायण काल / महाभारत काल में राज्य के इस भू-भाग के लिए - मरुकांतार शब्द का उल्लेख है।

- वैदिक काल में ब्रह्मवर्त के नाम से जाना गया है।

- बसंतगढ़ शिलालेख (वि.स. 682) खीमलमाता मंदिर (सिरोही) इस शिलालेख में "राजस्थानादित्या" शब्द का उल्लेख मिलता है।

- अबुल-फजल को राज्य के इस भू-भाग के "मरुप्रदेश" शब्द का प्रयोग किया है।

- सन 1800ई जार्ज थॉमस ने "राजपूताना" शब्द का प्रयोग किया। जिसका उल्लेख विलियम फ्रेंकलिन की प्रसिद्ध पुस्तक "द मिलिट्री मैमोयर्स ऑफ जॉर्ज थॉमस" में मिलता है।

- सन 1829 ई. में राजस्थान इतिहास के जनक कर्नल जेम्स टॉड ने "राजस्थान, रायथान, रजवाड़ा" शब्द का प्रयोग किया।

- इन शब्दों का उल्लेख इनकी प्रसिद्ध पुस्तक "एनाल्स द एण्टीक्वीटीज ऑफ राजस्थान" में मिलता है।
- पुस्तक का दूसरा नाम → "द सेन्ट्रल एण्ड वैस्टर्न राजपूत स्टेट्स ऑफ इंडिया"

- वैधानिक रूप से 26 जनवरी 1950 को राज्य को "राजस्थान" कहा गया। ★

- राजस्थान का वर्तमान स्वरूप — 1 नवम्बर 1956